SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-2-3)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंक योजना

इतिहास (विषय कोड-027)

(पेपर कोड : 61/2/3) (12-02-27N)

नोट: अंक योजना में उल्लिखित पृष्ठ संख्याएं नवीनतम एन सी ई आर टी ई-पुस्तक से ली गई हैं।

प्र. सं .	अपेक्षित परिणाम/मूल्य बिंदु	पृष्ठ सं.	अंक
	खंड- क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		21x1=21
1.	(C) एकलव्य ने द्रोण को अपना दाहिना अंगूठा गुरु दक्षिणा में दिया।	62	1
2.	(C) (a) (ii), (b) (iv), (c) (i), (d) (iii)	32	1
3.	(C) इब्न-बतूता	118	1
4.	(D) कुषाण शासकों ने	44	1
5.	(B) चार वर्णों के बीच विवाह संबंधों पर रोक लगाई।	63	1
6.	(A) (I)(II) (III) सही हैं ।	91	1
7.	(B) महाबलीपुरम की मूर्ति	109	1
	(C) (तमिलनाडु) दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए	108	1
8.	(A) **(A)** और **(R)** दोनों सही हैं और **(R)**, **(A)** की सही व्याख्या करता है।	89	1
9.	(D) II,I,IV,III	173	1
10.	(D) शेख निज़ामुद्दीन औलिया	153	1
11.	(A) अहोम	210	1
12.	(D) I, III और IV सही हैं	143	1
13.	(D) सिंचाई के लिए ट्यूबवेल की उपलब्धता	198	1
14.	(D) मार्को पोलो-इटली	137	1

15.	(D) केवल (I) और (II) सही हैं	262	1
16.	(B) हो – ची – मिन्ह	286	1
17.	(C) सरदार पटेल	320	1
18.	(B) I, II, IV, III	289	1
19.	(A) पहाड़ी लोग विस्थापित हो ऊपरी पहाड़ियों पर चले गए I	239	1
20.	(B) फ्रांसिस बुकानन	236	1
21.	(C) वेलेजली – पाश्चात्य शिक्षा	265	1
	खंड – ख **(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		6×3 18
22.	**(a) बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति कैसे हुई? स्पष्ट कीजिये।** (I) बुद्ध की बाहरी दुनिया की यात्रा बहुत पीड़ादायक थी। जब उन्होंने एक बूढ़े आदमी, एक बीमार आदमी और एक लाश को देखा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। (II) उस पल उन्हें एहसास हुआ कि इंसानी शरीर का क्षय और अंत तय है। (III) उन्होंने एक गृहत्याग किये सन्यासी को देखा, जो उन्हें ऐसा लगा कि बुढापे, बीमारी और मृत्यु को स्वीकार कर चुका था और उसे शांति मिल गई थी। (IV) इसके तुरंत बाद, उन्होंने महल छोड़ दिया और अपने सत्य की तलाश में निकल पड़े। सिद्धार्थ ने कई रास्ते अपनाए, जिसमें शरीर को अत्यधिक कष्ट देना भी शामिल था, जिससे वह मृत्यु के करीब पहुँच गए। (V) इन मुश्किल तरीकों को छोड़कर, उन्होंने कई दिनों तक ध्यान किया और आखिर में ज्ञान प्राप्त किया। इसके बाद उन्हें बुद्ध या ज्ञानी के नाम से जाना जाने लगा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	90	3XI=3

	अथवा (b) **साँची की मूर्तिकला को समझने में बौद्ध साहित्य कैसे सहायक है ? स्पष्ट कीजिए।** (I) वेसान्तर जातक एक उदार राजकुमार की कहानी है जिसने अपना सब कुछ एक ब्राह्मण को दे दिया और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जंगल में रहने चला गया। (II) पवित्र कहानियों के अनुसार, बुद्ध को एक पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए ज्ञान प्राप्त हुआ था। (III) रिक्त स्थान बुद्ध के ध्यान की दशा को दिखाने के लिए थी और स्तूप महापरिनिब्बान को दिखाने के लिए था। (IV चक्र, बुद्ध के सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश को दर्शाता है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	99	3X1=3
23.	**' अनेक महत्वपूर्ण राजवंशों की उत्पत्ति अन्य वर्णों से हुई थी' । इस कथन की व्याख्या प्राचीन भारत के संदर्भ में कीजिए।** (I) यह सत्य है कि राजत्व जन्म पर आधारित नहीं था। (II) यह भी आवश्यक नहीं था कि क्षत्रिय ही राजा बनें। (III) कई शासक वंशों की उत्पत्ति भिन्न-भिन्न थी। (IV) शुंग और कण्व वंश के राजा ब्राह्मण थे। (V) इसलिए, जो भी समर्थन और संसाधन जुटा सकता था, वह राजा बन सकता था। (VI) यद्यपि बाद के बौद्ध ग्रंथों में मौर्यों को क्षत्रिय बताया गया है, वहीं ब्राह्मण ग्रंथों में उन्हें निम्न मूल का बताया गया है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	62	3X1=3
24.	**'आइने - ऐ - अकबरी ' को मुगलों के शासन की जानकारी की खान क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिए।**	217-18	3X1=3

	(I) 'आइन' अकबर के शासनकाल की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। (II) आइन में दरबार, प्रशासन और सेना के संगठन, राजस्व के स्रोतों, अकबर के साम्राज्य के प्रांतों की भौगोलिक स्थिति और लोगों की साहित्यिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का विस्तृत विवरण दिया गया है। (III) अकबर की सरकार के विभिन्न विभागों के वर्णन और साम्राज्य के विभिन्न प्रांतों (सूबों) के विस्तृत विवरण के साथ-साथ, आइन हमें उन प्रांतों की जटिल मात्रात्मक जानकारी भी प्रदान करती है। (IV) इस ग्रंथ में राज्य द्वारा कृषि को सुनिश्चित करने और राजस्व एकत्र करने के लिए की गई व्यवस्थाओं का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। (V) मुगल दरबार की कार्यप्रणाली का भी सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन		
25.	**मीरा बाई को भारत में भक्ति आंदोलन के महान संतों में से एक क्यों माना जाता है? स्पष्ट कीजिए।** (I) मीरा बाई भक्ति परंपरा की एक महिला कवयित्री थीं। (II) मीरा बाई एक राजपूत राजकुमारी थीं। (III) विवाहित होने के बावजूद उन्होंने अपने पति की अवज्ञा की और पत्नी एवं माता की भूमिका को स्वीकार नहीं किया। (IV) उन्होंने कृष्ण को अपना प्रेमी माना। (V) वे राजपूत थीं, लेकिन उनके गुरु रैदास थे, जो एक चर्मकार थे। (VI) इस प्रकार उन्होंने जाति व्यवस्था के मानदंडों को चुनौती दी। (VII) उनके गीत आज भी महिलाओं और पुरुषों द्वारा गाए जाते हैं, विशेषकर गुजरात और राजस्थान के गरीब और निम्न जाति के लोगों द्वारा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	163	**3X1=3**
26.	**" गांधीजी को एक सामाजिक कार्यकर्ता भी माना जाता है।" इस कथन की व्याख्या उदहारण सहित कीजिए।**	**295**	**3X1=3**

	(I) गांधीजी को केवल देशभक्त या राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि एक समाजसेवी भी माना जाता था। (II) उन्होंने खादी के कपड़े को बढ़ावा दिया। (III) उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए काम किया। (IV) उन्होंने बाल विवाह के विरुद्ध आवाज उठाई। (V) उन्होंने हिंदू-मुस्लिम सद्भाव पर जोर दिया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन		
27.	**(a) भारत में 1857 के दौरान राष्ट्रवाद की भावना के प्रसार मे चित्रों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** (I) बीसवीं शताब्दी के राष्ट्रीय आंदोलन को 1857 की घटनाओं से प्रेरणा मिली। (II) इसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में मनाया गया, जिसमें भारत के सभी वर्गों के लोग साम्राज्यवादी शासन के विरुद्ध एकजुट हुए। (III) कला और साहित्य में, विद्रोह के नेताओं को वीर व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिन्होंने देश का युद्ध में नेतृत्व किया और दमनकारी साम्राज्यवादी शासन के विरुद्ध जनता में न्यायसंगत आक्रोश जगाया। (IV) झाँसी की रानी की वीरता पर वीररस की कविताएँ लिखी गई, जिन्होंने एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में घोड़े की लगाम थामे अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। (V) झाँसी की रानी को एक पुरुषोचित व्यक्तित्व के रूप में चित्रित किया गया, जो शत्रु का पीछा करती, ब्रिटिश सैनिकों का वध करती और अंत तक वीरतापूर्वक लड़ती रहीं। (VI) भारत के कई हिस्सों में बच्चे सुभद्रा कुमारी चौहान की ये पंक्तियाँ पढ़ते हुए बड़े होते हैं: "खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी"। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	283	**3X1=3**

	अथवा **(b) 'सहायक संधि' प्रथा के प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।** (I) सहायक संधि एक ऐसी प्रथा थी जिसे लॉर्ड वेलेस्ली ने 1798 में तैयार किया था। (II) अंग्रेजों के साथ ऐसी संधि करने वाले सभी देशों को कुछ नियम और शर्तें स्वीकार करनी पड़ती थीं। (III) अंग्रेजों को अपने सहयोगी देश की सत्ता को बाहरी और आंतरिक खतरों से बचाने की जिम्मेदारी होती थी। (IV) सहयोगी पक्ष के भूक्षेत्र में एक ब्रिटिश सशस्त्र टुकड़ी तैनात की जाती थी। (V) सहयोगी पक्ष को इस टुकड़ी के रखरखाव के लिए संसाधन उपलब्ध कराने होते थे। (VI) सहयोगी पक्ष अन्य शासकों के साथ समझौते कर सकता था या युद्ध में शामिल हो सकता था, पर केवल अंग्रेजों की अनुमति से। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन	266	**3X1=3**
	खंड – ग **(दीर्घ - उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3×8 24**
28 .	**(a) भारत के संविधान की परिकल्पना को आकार देने वाली घटनाओं का वर्णन कीजिए।** (I) संविधान बनने से ठीक पहले के वर्ष अत्यंत उथल-पुथल भरे थे। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र तो हो गया था, लेकिन साथ ही विभाजित भी हो गया था। (II) अगस्त 1946 के कलकत्ता हत्याकांड ने उत्तरी और पूर्वी भारत में लगभग पूरे वर्ष निरंतर दंगों की शुरुआत की। (III) भारत के विभाजन की घोषणा के साथ ही जनसंख्या स्थानांतरण के दौरान हुए नरसंहारों ने हिंसा को चरम पर पहुंचा दिया।	317-318, 322	**8X1=8**

	(IV) लाखों शरणार्थी पलायन कर रहे थे, मुसलमान पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान में, हिंदू और सिख पश्चिम बंगाल और पंजाब के पूर्वी भाग में। कई लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही मर गए। (V) नव राष्ट्र के सामने एक और समस्या रियासतों की थी। (VI) इसी पृष्ठभूमि में संविधान सभा की बैठक हुई। (VII) जे.एल. नेहरू ने संविधान की वह परिकल्पना प्रस्तुत की जो संविधान के आदर्श का प्रतिनिधित्व करती थी। (VIII) इसने भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य घोषित किया। (IX) इसने नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी दी। (X) इसने पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी आदि के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की। (XI) नेहरू ने अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांति का उल्लेख किया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन		**8X1=8**
	अथवा **(b) संविधान सभा में पृथक निर्वाचिका के विरुद्ध दिए गए तर्कों का वर्णन कीजिए।** (I) पोकर बहादुर ने अलग निर्वाचक मंडल को जारी रखने के लिए ज़ोरदार अपील की। (II) कई राष्ट्रवादी नेताओं ने अलग निर्वाचक मंडल के इस विचार का विरोध किया। (III) कई राष्ट्रवादियों ने अलग निर्वाचक मंडल को जनता को विभाजित करने का एक जानबूझकर उठाया गया कदम माना। (IV) धुलेकर ने अलग निर्वाचक मंडल के विचार का विरोध किया। (V) पटेल ने घोषणा की कि अलग निर्वाचक मंडल अल्पसंख्यकों के लिए ज़हर है। (VI) उन्होंने विभाजन का रक्तपात देखा था। (VII) पंत ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल न केवल राष्ट्र के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के लिए भी हानिकारक है। (VIII) उनके अनुसार, यह एक आत्मघाती मांग थी जो अल्पसंख्यकों को स्थायी रूप से अलग-थलग कर देगी, उन्हें असुरक्षित बना देगी और सरकार में उनकी प्रभावी भूमिका को छीन लेगी।	327-330	

	(IX) सभी मुसलमान अलग निर्वाचक मंडल के विचार के समर्थक नहीं थे। बेगम ऐज़ास रसूल ने कहा कि अलग निर्वाचक मंडल का विचार आत्मघाती है। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु पृष्ठ • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन		
29.	**(a) विजयनगर के राजकीय केंद्र के दो प्रभावशाली मंच थे जिन्हें 'सभा मण्डप" और 'महानवमी डिब्बा' कहा जाता था। इन दोनों मंचो के महत्व की परख कीजिए।** (I) विजयनगर में 'राजा के भवन' में महानवमी डिब्बा और सभा मंडप दो महत्वपूर्ण मंच थे। (II) सभा मंडप लकड़ी के खंभों से बना एक ऊंचा चबूतरा था। इस पर ऊपर जाने के लिए सीढ़ियाँ थीं। (III) संभवतः राजा यहाँ लोगों से मिलते थे और उनकी शिकायतें सुनते थे। (IV) खंभे बहुत पास-पास लगे होने के कारण बहुत कम खुला स्थान बचता था, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि इस मंडप का उपयोग किस लिए किया जाता था। (V) महानवमी डिब्बा शहर के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित था। यह विशाल मंच लगभग 11,000 वर्ग फुट के आधार से 40 फुट की ऊंचाई तक जाता है। (VI) इस बात के प्रमाण हैं कि इस पर लकड़ी की संरचना बनी हुई थी। मंच का आधार उभारदार नक्काशी से पटा हुआ है। अधिकांश अनुष्ठान इसी मंच पर किए जाते थे। (VII) दशहरा और नवरात्रि उत्सव यहीं मनाए जाते थे। (VIII) राजा यहाँ टुकड़ियों का निरीक्षण भी करते थे और नायकों से उपहार स्वीकार करते थे।	180-81	4+4=8

	(IX) इस अवसर पर विजयनगर के राजा अपनी प्रतिष्ठा, शक्ति और प्रभुत्व का प्रदर्शन करते थे (X) इस अवसर पर आयोजित धार्मिक समारोहों में मूर्ति की पूजा, राजकीय अश्व की पूजा और भैंसों तथा अन्य पशुओं की बलि शामिल थी। (XI) नृत्य, कुश्ती प्रतियोगिताएं और सजे-धजे घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों के शोभायात्रा भी आयोजित किए जाते थे। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु पृष्ठ • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन **अथवा** **(b) विजयनगर के धार्मिक केंद्र में स्थापित विरुपाक्ष और विट्ठल मंदिरों की स्थापत्य कला की विशेषताओं की परख कीजिए।** (I) विरुपाक्ष मंदिर का निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था। (II) अन्य विशिष्ट विशेषताओं में मंडप और लंबे स्तंभों वाले गलियारे शामिल हैं जो अक्सर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थलों के चारों ओर बने होते थे। (III) राय गोपुरम या राजकीय प्रवेशद्वार अक्सर केंद्रीय मंदिरों के शिखरों से भी बड़े होते थे। (IV) मुख्य मंदिर के सामने बना मंडप कृष्णदेव राय द्वारा निर्मित किया गया था। इसे सूक्ष्म नक्काशीदार स्तंभों से सजाया गया था। (V) कुछ स्थानों पर देवी-देवताओं की मूर्तियाँ स्थापित थीं। (VI) मंदिर के सभागार विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग किए जाते थे। (VII) दूसरा मुख्य देवस्थल विट्ठल मंदिर है जिसके मुख्य देवता विट्ठल थे। (VIII) इस मंदिर में कई सभागार हैं। (IX) यह एक अद्वितीय मंदिर है जिसे रथ के आकार में डिजाइन किया गया है। (X) मंदिर परिसरों की एक विशिष्ट विशेषता रथ गलियां हैं जो मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती थे।	185-187	**4+4=8**

	(XI) इन गलियों का फर्श पत्थर के टुकड़ों से बना था। ये गलियां स्तंभों वाले मंडपों से घिरी हुई थीं जिनमें व्यापारियों ने अपनी दुकानें स्थापित की थीं। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन		
30.	**(a) मोहनजोदड़ो के शहरी केंद्रों की स्थापत्य-कला की विशिष्ट विशेषताओं की परख कीजिए।** (I) हड़प्पा सभ्यता की सबसे अनूठी विशेषता शहरी केंद्रों का विकास था। (II) मोहनजोदड़ो उस समय का सबसे महत्वपूर्ण शहरी केंद्र था। (III) हालांकि, सबसे पहले खोजा गया स्थल हड़प्पा था। (IV) बस्तियों को दो भागों में विभाजित किया गया था - निचला शहर और दुर्ग। (V) निचले शहर को दीवार से घेरा गया था और चबूतरे पर कई इमारतें बनी हुई थीं। (VI) दुर्ग ऊपरी भाग था। चबूतरे बन जाने के बाद, शहर के भीतर सभी निर्माण कार्य चबूतरे पर एक निश्चित क्षेत्र तक ही सीमित कर दिए गए थे। इसलिए ऐसा लगता है कि बस्ती की पहले योजना बनाई गई और फिर उसके अनुसार निर्माण किया गया। (VII) इन शहरों में सुनियोजित जल निकासी व्यवस्था थी। (VIII) सड़कें और गलियाँ ग्रिड पद्धति में बनाई गई थीं। (IX) प्रत्येक घर में अपना स्नानघर था। (X) संभवतः सार्वजनिक स्नान के लिए एक विशाल आयताकार स्नानागार भी बनाया गया था। (XI) नियोजन के अन्य संकेतों में ईंटें शामिल हैं, जो चाहे धूप में सुखाई गई हों या पकाई गई हों, एक मानक अनुपात की थीं, जहाँ लंबाई और चौड़ाई ऊँचाई से क्रमशः चार गुना और दो गुना थीं। (XII) आवासीय भवन एक आंगन के चारों ओर केंद्रित थे, जिनमें चारों ओर कमरे थे। (XIII) वे एकांतता को महत्त्व देते थे: भूतल पर दीवारों में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं।	5-8	8x1=8

	• कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन **अथवा** **(b) हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों और साक्ष्यों की परख कीजिए।** **पतन के कारण:** (I) अनेक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए गए हैं। (II) जलवायु परिवर्तन ने इस सभ्यता को क्षति पहुँचाई। (III) वनों की कटाई एक अन्य कारण था। (IV) अत्यधिक बाढ़ ने सभ्यता को भारी नुकसान पहुँचाया। (V) नदियों का मार्ग बदलना और/या सूख जाना। (VI) भूमि का अत्यधिक उपयोग। (VII) इन सभी कारणों के संयुक्त प्रभाव से पतन हुआ होगा। प्रमाण: (I) प्रमाणों से पता चलता है कि 1800 ईसा पूर्व तक अधिकांश परिपक्व हड़प्पा स्थल परित्यक्त हो चुके थे। (II) सभ्यता की विशिष्ट कलाकृतियों के लुप्त होने के प्रमाण। (III) बाट, मुहरें, मनके, व्यापार सब लुप्त हो गए। (IV) मकान निर्माण तकनीकें बिगड़ गईं। (V) लिपि और मृदभांड का लुप्त होना। (VI) शहरों का पतन और परित्याग। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु • किन्हीं आठ बिंदुओं का मूल्यांकन	17	4+4=8
	खंड – घ **(स्रोत-आधारित प्रश्न)**		3×4=12
31 (31.1)	**वनों की कटाई और स्थाई कृषि के बारे मे** **खेती के संबंद्ध में परिदृश्य का वर्णन क़िस प्रकार किया गया है?**	245	1

	(I) बुकानन का मत था कि राजमहल क्षेत्र के गाँव खेती के लिए उपयुक्त हैं, विशेषकर घाटियों में धान की खेती के लिए। (II) बिखरे हुए पेड़ों के साथ साफ की गई भूमि और चट्टानी पहाड़ियाँ अपने आप में पूर्ण थीं। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		
(31.2)	**खेती के विस्तार के लिए किन फसलों को सुझाया गया ?** (I) टसर, पनई, महुआ, लाख, ताड़ और पलास • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		1
(31.3)	**आर्थिक विकास के लिए भूमि के उपयोग हेतु बुकानन द्वारा दिए गए प्रस्ताव की व्याख्या कीजिए।** (I) बुकानन ने कंपनी के व्यावसायिक हितों और प्रगति की आधुनिक पश्चिमी अवधारणाओं को समझा। (II) उनका मानना था कि जंगलों को कृषि भूमि में परिवर्तित किया जाना चाहिए। (III) जंगलों की जगह आसन, पलास (टसर रेशम के कीड़े) और लाख के बागान लगाए जाने चाहिए। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		2
32	**मालाबार तट** **(आधुनिक केरल)** **(32.1)व्यापार के प्रसार में नदियों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।** (I) प्राकृतिक परिवहन मार्ग (II) सस्ता और कुशल परिवहन (III) संपर्क • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	44	1

	(32.2) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी संख्या में वस्तुओं का व्यापार क्यों होता था? (I) भारत और अन्य देशों के बीच बड़ी मात्रा में वस्तुओं का व्यापार होता था क्योंकि भारत एक समृद्ध देश होने के नाते काली मिर्च, दालचीनी, कच्चा तेल, पुखराज खनिज और अन्य कई वस्तुएँ व्यापार के लिए उपलब्ध कराता था। (II) अन्य देशों को इन वस्तुओं की आवश्यकता थी, इसलिए व्यापार फलता-फूलता रहा। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		1
	(32.3) कोडुमनाल में मनका बनाने के उद्योग के विकास के कारण स्पष्ट कीजिए। (I) पुरातात्विक साक्ष्यों से सिद्ध होता है कि तमिलनाडु के कोडुमनल में बहुमूल्य और अर्ध-बहुमूल्य पत्थर पाए गए थे। (II) कुछ बहुमूल्य पत्थर तटवर्ती कई अन्य स्थलों से लाए गए थे। (III) इन पत्थरों की उपलब्धता से मनके बनाने के उद्योग की स्थापना हुई। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदुकोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		2
33	**यूरोप के लिए एक चेतावनी** **(33.1) बर्नियर ने अपने यूरोपियन राजाओं को मुगल राजतन्त्र के तरीके ना अपनाने की चेतावनी क्यों दी ?** (I) मुगल साम्राज्य सभ्य, सुव्यवस्थित और समृद्ध साम्राज्य होने से बहुत दूर था। (II) मुगल साम्राज्य में सम्राट, भिखारियों और बर्बरों का राजा था। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	132	1

	(33.2) भू-स्वामित्व पर यूरोपीय और मुगलों के बीच एक अंतर स्पष्ट कीजिए। (I) मुगल भारत और यूरोप के बीच मूलभूत अंतरों में से एक यह था कि मुगल भारत में भूमि पर निजी स्वामित्व नहीं था। (II) मुगल भारत में भूमि का स्वामी सम्राट था। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		1
	(33.3) बर्नियर के वृतान्त ने 18वीं शताब्दी के बाद से पश्चिमी सिद्धांतकारों को कैसे प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए। (I) बर्नियर के वर्णनों ने अठारहवीं शताब्दी से पश्चिमी विचारको को प्रभावित किया (II) फ्रांसीसी दार्शनिक मोंटेस्क्यू ने इस विवरण का उपयोग प्राच्य निरंकुशता के विचार को विकसित करने के लिए किया। उनका मानना था कि प्राच्य जगत के शासकों के पास असीमित शक्ति होती है और जनता पर उनका पूर्ण अधिकार होता है। प्रजा को अधीनता और गरीबी में रखा जाता है। (III) इस विचार को कार्ल मार्क्स ने उन्नीसवीं शताब्दी में एशियाई उत्पादन प्रणाली की अवधारणा के रूप में और विकसित किया। • कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु		2
	खंड – ड **(मानचित्र- आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
34.	**34.1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र में, निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों अथवा प्रतीकों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए:** (i) बनावली – विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) कन्नौज- प्रारंभिक राज्यों का एक महत्वपूर्ण शहर (iii) (a) अजमेर - मुगलों के अधीन एक शहर अथवा		**3X1=3**

	(b) बीदर - एक मध्यकालीन शहर		
	34.2 भारत के इसी राजनीतिक रेखा -मानचित्र पर,भारतीय आंदोलन से संबंधित दो केंद्रों को A और B से अंकित किया गया है। इनको पहचानिए और इनके सही नाम उनके निकट खिंची गईं रेखाओं पर लिखिए।		2X1=2
34	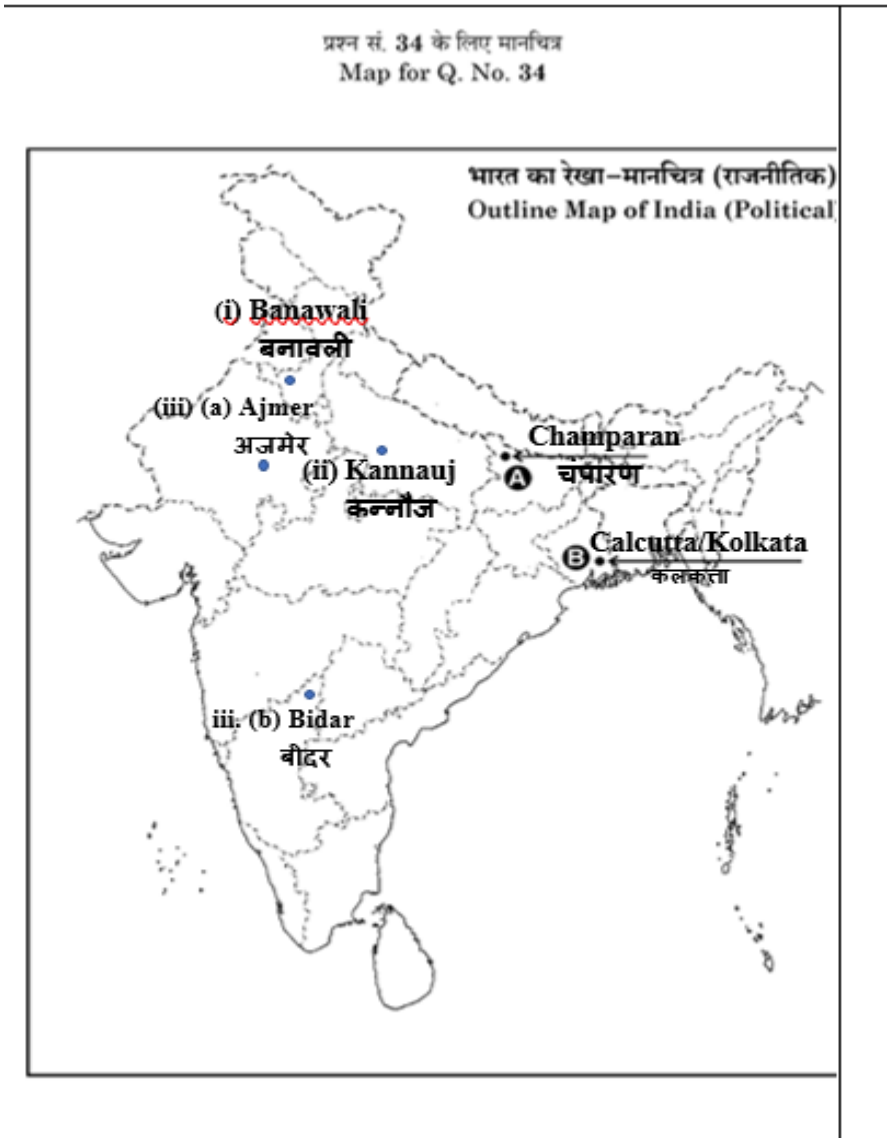		
34.	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थी के लिए संख्या 34 के स्थान पर है: 34.1 वर्तमान हरियाणा राज्य से किसी एक हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए। 34.2 बाबर के शासन के अधीन रहे किसी एक शहर का नाम लिखिए। 34.3 किसी एक मध्यकालीन शहर का उल्लेख कीजिए। 34.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केंद्रों के नाम लिखिए।		

(34.1)	राखीगढ़ी , बनवाली (कोई अन्य)	**1**	
(34.2)	पानीपत, आगरा, दिल्ली (कोई अन्य)	**1**	
(34.3)	हम्पी, आगरा, सूरत (कोई अन्य)	**1**	
(34.4)	चंपारण, अमृतसर (कोई अन्य)	**2**	